राजस्थान पत्रिका

Friday, February 4th, 2011

विदेशी संस्कृति की गुलामी त्यागें: स्वामी

पत्रिका संवाददाता @ शिमोगा

युवाओं को विदेशी संस्कृति की गुलामी को त्यागकर देसी संस्कृति की रक्षा करनी चाहिए।

यह विचार मशहूर कन्नड़ फिल्म निदेशक केएसएल स्वामी ने व्यक्त किए। वे गुरुवार को डीवीएस पीयूसी कॉलेज के सभागार में वार्षिकोत्सव के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति का हमें गर्व होना चाहिए। केवल पाश्चिमी संस्कृति ही श्रेष्ठ है इस गुलामी की मानसिकता को त्यागना होगा।

उन्होंने कहा कि युवावस्था जीवन का महत्वपूर्ण कार्यकाल है इसी कार्यकाल में हमारे जीवन की दिशा निश्चित होती है। इसलिए इस महत्वपूर्ण घड़ी में हमें समय को बरबाद न करते हुए भविष्य के लिए नींव ड़ालनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगीकी के कारण युवा वर्ग का भौतिक जीवन तो सुधर गया है लेकिन यह वर्ग सामाजिक बुराइयों की लत में पड़ रहा है। धन के प्रभाव से रिश्ते-नातों को तिलांजलि दी जा रही है। परिवार संस्था का विघटन हो रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

बेंगलूरु में गुरुवार को जैन डिम्ड विश्वविद्यालय के प्रबंधन महोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते प्रतिभागी। पत्रिका

लस्य 2011 का रंगारंग समापन

बेंगलूरु. जैन डिम्ड विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित प्रबंधन महोत्सव लस्य का गुरुवार को रंगारंग समापन हुआ। देशभर के प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने व्यापार संबंधी नीतियों पर चर्चा की तथा मार्केटिंग के गुर सीखे। बीबीएम तथा बीएमस के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने पुराने गानों पर नृत्य की प्रस्तुति दी।

सर्वश्रेष्ठ मैनेजर का खिताब जैन कॉलेज, क्राइस्ट विश्वविद्यालय तथा संत जॉसेफ कॉमर्स कालेज के दल को मिला। समारोह के अंतिम दिन शिक्षकों तथा पुराने विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ उठाया। उन्होंने अंत्याक्षरी खेली तथा नृत्य व गाने से एक-दूसरे का मनोरंजन किया।